Cambridge Assessment International Education

# Cambridge IGCSE™

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER

CANDIDATE NUMBER

**HINDI AS A SECOND LANGUAGE** **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **February/March 2021**

**2 hours**

You must answer on the question paper.

No additional materials are needed.

**INSTRUCTIONS**
- Answer **all** questions.
- Use a black or dark blue pen.
- Write your name, centre number and candidate number in the boxes at the top of the page.
- Write your answer to each question in the space provided.
- Do **not** use an erasable pen or correction fluid.
- Do **not** write on any bar codes.
- Dictionaries are **not** allowed.

**INFORMATION**
- The total mark for this paper is 60.
- The number of marks for each question or part question is shown in brackets [ ].

This document has **16** pages. Any blank pages are indicated.


© UCLES 2021

**अभ्यास 1: प्रश्न 1-6**

**'सूर्यदेव का प्रशस्ति-गीत - कोणार्क' आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

तेरहवीं शताब्दी में निर्मित कोणार्क मंदिर को पत्थर से बनी सूर्य-देव की प्रशस्ति का गीत कहा जाता है। इसकी परिकल्पना बारह जोड़ी अलंकृत पहियों और सात घोड़ों से खींचे जाने वाले विशाल रथ के रूप में की गई थी। पूर्व दिशा की ओर रथ खींचते हुए सात घोड़े सप्ताह के सात दिन और बारह जोड़ी पहिए वर्ष के बारह मास के प्रतीक हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर हाथियों को नियंत्रित करते हुए विशाल सिंहों की पत्थर से बनी दो मूर्तियाँ हैं। सिंह आध्यात्मिक शक्ति के और हाथी सांसारिक समृद्धि के प्रतीक हैं। हाथियों के नीचे दबी सांसारिक शक्ति और अज्ञान के प्रतीक के रूप में मानव मूर्तियाँ, यह स्मरण कराती हैं कि सांसारिक शक्ति पर आध्यात्मिक शक्ति और अज्ञान पर ज्ञान की विजय होती है।

कोणार्क शब्द संस्कृत के 'कोण' अर्थात कोना और 'अर्क' अर्थात सूर्य की संधि से बना है। एक दूसरी विचारधारा के अनुसार, अर्क क्षेत्र में सूर्य देव के पूज़ा-स्थान का नाम 'कोणार्क' है। पौराणिक कथा के अनुसार, गयासुर नामक राक्षस का वध करके अपनी विजय का उत्सव मनाने के लिए विष्णु भगवान ने अपना शंख जगन्नाथ पुरी में, चक्र भुवनेश्वर में, गदा जयपुर में और पद्म कोणार्क में गिराया था।

कोणार्क की ख्याति आँखों को चकाचौंध कर देने वाली अलौकिक पाषाण मूर्तियों, श्रेष्ठ स्थापत्य कला और उससे जुड़े मध्यकालीन उड़ीसा के सामाजिक इतिहास के कारण है। जगन्नाथ पुरी से 35 किलोमीटर दूर बना कोणार्क मंदिर हिंदुओं के तीर्थ-स्थलों में प्रमुख माना जाता था। मंदिर के तीन भाग हैं। विमान या मुख्य मंदिर में सूर्य देव की मूर्ति प्रतिष्ठित हैं, दूसरा भाग जगमोहन है जहाँ से लोग सूर्य देव के दर्शन एवं पूजा करते थे और तीसरा भाग नृत्यमंडप है। समुद्र तट पर बना यह मंदिर प्राचीन काल में नाविकों के लिए उड़ीसा पहुँचने के लिए मार्गदर्शक गुम्बद का काम करता था।

प्राचीन परम्परा के अनुसार यह मंदिर सूर्य देव को समर्पित था। सूर्योपनिषद में सूर्य की प्रशस्ति और उसकी पूजा के महत्व का वर्णन है। जिसके अनुसार सूर्य ही सृष्टि के अस्तित्व का महत्वपूर्ण आधार है। मंदिर की एक अनूठी विशेषता यह है कि संक्राति के समय जब सूर्य आकाशीय भूमध्यरेखा को पार करता है तथा दिन और रात एक बराबर हो जाते हैं तब सूर्य की किरणें सीधे सूर्य-देव की मूर्ति पर केंद्रित होती हैं। उस दिन मंदिर में देव-दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से पहुँचते हैं।

© UCLES 2021

1 कोणार्क का मंदिर किस रूप में बना है?

.............................................................................................................................. [1]

2 मंदिर के प्रवेश द्वार पर बनी हाथी की मूर्तियाँ किस बात का प्रतीक हैं?

.............................................................................................................................. [1]

3 पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु भगवान ने अपना कमल कोणार्क में क्यों गिराया था?

.............................................................................................................................. [1]

4 कोणार्क मंदिर क्यों महत्वपूर्ण है, कोई **दो** कारण दीजिए।

- ..............................................................................................................................
- .............................................................................................................................. [2]

5 मंदिर के कौन से भाग में भक्त-जन भजन और कीर्तन कर सकते थे?

..............................................................................................................................

.............................................................................................................................. [1]

6 अनुच्छेद के अनुसार सूर्य देव के महत्व के **दो** कारण लिखें।

- ..............................................................................................................................
- .............................................................................................................................. [2]

[पूर्णांक 8]

© UCLES 2021

**अभ्यास 2: प्रश्न 7-15**

**'जलवायु परिवर्तन और ग्रेटा थुनबर्ग' के बारे में छपे इस लेख को ध्यान से पढ़ें। प्रश्न 7 से 15 का उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेदों (A से D) में से सही अनुच्छेद चुन कर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाएँ। अनुच्छेदों को एक से अधिक बार चुना जा सकता है।**

**A** स्कूल में मिली जलवायु परिवर्तन से होने वाले दुष्प्रभावों की शिक्षा ने आठ साल की स्वीडिश बालिका, ग्रेटा के बाल-मन पर गहरी छाप छोड़ी। दैनिक जीवन में बिना ज़रूरत बिजली और पानी के उपयोग पर रोक लगाने की सीख वह स्वयं तो आजमाती ही, अपने माता-पिता को भी उसकी याद दिलाती रहती थी। ग्यारह वर्ष की उम्र में लम्बी बीमारी के कारण ग्रेटा साल भर तक स्कूल नहीं जा सकी। अस्पताल के वॉर्ड में लेटे-लेटे वह सोचती रहती थी कि हर कोई जलवायु परिवर्तन की समस्या के बारे में बातें तो करता है, पर रोकथाम के लिए कुछ क्यों नहीं करता। ग्रेटा के लिए यह समझना कठिन था कि देखते-देखते प्रति दिन वनस्पति और वन्य जीवों की 200 प्रजातियाँ लुप्त होती जा रही हैं, पर किसी को इसकी फ़िक्र तक क्यों नहीं! स्वस्थ होकर घर आने पर ग्रेटा ने ग्रीन हाउस गैस का उपयोग कम करने की पहल अपने घर से करने का निश्चय किया।

**B** उसने अपने माता-पिता को यह अहसास दिलाया कि वे स्वयं जलवायु परिवर्तन की समस्या का एक बड़ा हिस्सा हैं। अपनी जीवन शैली बदले बिना मानव के भविष्य की सुरक्षा और खुशहाली के लिए वे कुछ भी नहीं कर पाएँगे। इसके पहले कि समस्या बढ़ती जाए और आने वाली पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय हो, ठोस कदम उठाने की ज़रूरत है। ग्रेटा के विचारों से प्रेरित होकर उसके माता पिता ने उसकी तरह हवाई यात्रा न करने और मांसाहार के बदले शाकाहार करने का निश्चय किया। ग्रेटा यह ठीक से जानती थी कि एक व्यक्ति या परिवार के हवाई यात्रा न करने या मांसाहर न करने से पर्यावरण का संरक्षण नहीं होने वाला, लेकिन उन्हें देख कर और बाकी लोग भी इस बारे में सकारात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित होंगे। अपने परिवार के साथ दूसरे परिवारों के जुड़ने के बाद उसे अपनी आवाज़ सरकार तक पहुँचानी थी।

**C** अपनी आवाज़ सरकार तक पहुँचाने के लिए ग्रेटा ने दो सप्ताह तक स्कूल जाना बंद करके स्वीडन के संसद भवन के सामने मौन हड़ताल करने का अनूठा तरीका अपनाया। शुरुआत में किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। पर उसकी लगन और दृढ़ता के कारण लोग उसके हाथ से लिखे पर्चे को पढ़ने के लिए खड़े होने लगे, जिसमें उसने लिखा था, 'जब तक सरकार जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के लिए कोई सक्रिय कदम नहीं उठाएगी, मैं स्कूल नहीं जाऊँगी। कुछ लोग कहते हैं कि मुझे पढ़-लिख कर अपना भविष्य बनाने के लिए स्कूल जाना चहिए। लेकिन पढ़-लिख कर क्या लाभ जब भविष्य ही नहीं बचेगा? भविष्य को तो बड़े लोग अपने आरामदेह जीवन के लिए नष्ट करने पर तुले हुए हैं! वे अपने बच्चों से प्यार करने का दावा करते हैं, लेकिन वे उन्हीं का भविष्य चुरा रहे हैं।... आने वाली पीढ़ी के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए कोई बीच का रास्ता नहीं हो सकता, या हम सभ्यता की सुरक्षा करें या उसे नष्ट होने दें!'

**D** ग्रेटा अब अकेली नहीं थी, उसके सहपाठियों ने भी उसका साथ देकर प्रति शुक्रवार को संसद भवन के सामने धरना देना शुरू किया। धीरे-धीरे स्वीडन के बाहर के 270 देशों के युवक-युवतियाँ आंदोलन के साथ जुड़ कर सरकारी नीति बदलने के लिए जुट गए। आश्चर्य की बात तो यह है कि उनके माता-पिता एवं शिक्षण संस्थाओं ने भी छात्रों की स्कूल में अनुपस्थिति को स्वीकार किया। ग्रेटा थुनबर्ग को जलवायु-सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र में आमंत्रित किया गया। देश-विदेश के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए ग्रेटा ने जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना करने में राजनीतिज्ञों की असफलता की बात करते हुए कहा, 'वे कार्बन बजट की बात करते हैं, पर कार्बन बजट तो हम पहले ही खर्च कर चुकें हैं अब तो हम आने वाली पीढ़ी के हिस्से से उधार लेकर चल रहे हैं। आने वाली पीढ़ी के भविष्य की सुरक्षा के लिए कार्बन फ़ुटप्रिंट को कम करने की ज़िम्मेदारी सभी देशों की है। हम बच्चे यह कर रहे हैं क्योंकि हमें हमारी आशाएँ और सपने वापस चाहिए!' ग्रेटा ने यह सिद्ध कर दिया कि परिवर्तन लाने के लिए कोई भी बहुत छोटा नहीं होता। उसका दृढ़ विश्वास है कि जनशक्ति के सहयोग से परिवर्तन होकर ही रहेगा।

© UCLES 2021

**नीचे दिए गए वक्तव्यों (7-15) को पढ़िए तथा कोष्ठक में सही का निशान लगा कर बताइए कि कौन सा अनुच्छेद किस वक्तव्य से सम्बंधित है।**

**उदाहरण:** जलवायु-परिवर्तन से होने वाले नुकसान के बारे में ग्रेटा को स्कूल में बताया गया था।

A ✓ B ☐ C ☐ D ☐

7 ग्रेटा के माता-पिता ने उसका व्यवहार देख कर अपनी जीवन-शैली बदली।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

8 जलवायु-परिवर्तन से संभावित हानि की तरफ़ लोगों की उदासीनता ग्रेटा को अस्वीकार थी।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

9 पर्यावरण के संरक्षण के लिए सबका प्रेरित होना ज़रूरी है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

10 ग्रेटा के आंदोलन का प्रभाव दुनिया भर के छात्रों और युवाओं पर पड़ा।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

11 ग्रेटा का सोचना था कि वर्तमान पीढ़ी अपनी सुविधा के लिए आने वाली पीढ़ी को दाँव पर लगा रही है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

12 स्थिति में परिवर्तन लाने के लिए बड़ा होना ज़रूरी नहीं है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

13 ग्रेटा के अनुसार आदतें बदलना जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए सही दिशा में पहला कदम है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

© UCLES 2021

**14** भावी पीढ़ी की सुरक्षा के लिए कोई बीच का रास्ता नहीं हो सकता।

**A** ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

**15** जलवायु परिवर्तन से केवल मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षी और वनस्पति भी प्रभावित हैं।

**A** ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

[पूर्णांक 9]

© UCLES 2021

**BLANK PAGE**

**अभ्यास 3: प्रश्न 16-19**

**‘जगत-जाल और सोशल मीडिया’ के बारे में निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए।**

सूचना प्रसारण के माध्यम में बदलाव आधुनिक युग की महत उपलब्धियों में होने के साथ प्रगति का सूचक है। प्रगति जीवित रहने की संज्ञा है। सूचना वह शस्त्र है जो समय के साथ हो रहे बदलावों को परिभाषित करता है। बदलाव के दौर में टीवी, रेडियो और अख़बार धीरे-धीरे सूचना की मुख्य धारा से दूर चले जा रहे हैं। इंटरनेट या अंतर्जाल द्वारा उनके अस्तित्व का अवमूल्यन कर अपनी धाक जमा लेना आधुनिक युग की वास्तविकता है।

अंतर्जाल हज़ारों कम्प्यूटरों और नैटवर्कों का एक वैश्विक कम्प्यूटर नैटवर्क है जो विविध प्रकार की सूचना और संचार-सुविधाएँ प्रदान करता है। इस अद्भुत तकनीक का आविष्कार इंग्लैंड के एक कम्प्यूटर इंजीनियर, टिम बर्नर्स-ली ने किया था। सन 1980 में यूरोप की न्यूक्लियर रिसर्च संस्था में काम करते समय 25 वर्षीय टिम के दिमाग में अलग-अलग कम्प्यूटरों पर एकत्रित आँकड़ों या डाटा को सर्वर के ज़रिये आपस में जोड़ने का विचार आया। इस विचार को टिम ने सन 1989 में वर्ल्ड वाइड वेब या जगत-जाल के रूप में हक़ीक़त में बदल दिया। तकनीक के क्षेत्र में वर्ल्ड वाइड वेब या जगत-जाल एक चतुर युक्ति है जिसके द्वारा हर व्यक्ति जिसके पास इंटरनेट संपर्क है कहीं से भी और कभी भी सूचना का आदान-प्रदान कर सकता है। इसकी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि संचार की गति को बढ़ाना है। जब टिम बर्नर्स-ली ने अपने काम की सहूलियत के लिए इस तकनीक का आविष्कार किया था, तब उन्होंने शायद ही सोचा होगा कि उनका यह आविष्कार सूचना के क्षेत्र में इस कदर क्रांति ला देगा। पर हाँ, वे इस बात से भली भाँति परिचित थे कि माध्यम भले ही परिवर्तित होते रहें, इंसान की अभिव्यक्ति करने की इच्छा हमेशा बनी रहेगी। अपने आविष्कार से आर्थिक लाभ लेने के बजाय टिम ने इसका मुफ़्त उपयोग करने दिया ताकि समाज के हर श्रेणी के लोग इसका लाभ उठा सकें।

सोशल मीडिया इंटरनेट के माध्यम से एक आभासी संसार (वर्चुअल वर्ल्ड) बनाता है जिसका उपयोग करके सोशल मीडिया के किसी भी प्लैटफॉर्म से जुड़ा जा सकता है। आज के दौर में सोशल मीडिया ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। आज विश्व के पचास प्रतिशत से भी अधिक लोग इसका उपयोग करते हैं। यदि पूरे विश्व की बात न करके केवल भारत की ही बात करें तो भारत में अस्सी करोड़ से अधिक लोगों के पास मोबाइल फ़ोन है। पढ़ना-लिखना न जानने वाले लोग भी इंटरनेट पर सोशल मीडिया से जुड़ना बख़ूबी जानते हैं।

सोशल मीडिया के दो पहलू हैं। सही तरह से किया जाने पर इसका उपयोग वर्तमान काल में एक सकारात्मक भूमिका अदा करता है। इसके ज़रिए ऐसे अनेक विकासात्मक कार्य हुए हैं जिससे देशों की एकता और अखंडता की स्थापना हुई है। जन-जीवन में सामाजिक जागरूकता फैलाने में सोशल मीडिया का प्रमुख अवदान रहा। लेकिन इसके साथ ही इसके दुरुपयोग की लंबी सूची है। आज हर फ़ोन रखने वाला व्यक्ति अपने को पत्रकार मानता है। एक ऐसा पत्रकार जो अपने विचार व्यक्त करने को तो स्वतंत्र है, परंतु उस स्वतंत्र विचार की ज़िम्मेदारी लेने को तैयार नहीं। परिणाम है इंटरनेट पर फ़ेक न्यूज की बहुतायत!

सोशल मीडिया से जुड़ने की लत लग जाने पर उससे छुटकारा पाना सरल नहीं। प्रसिद्ध पत्रकार जो स्मिथ ने अपनी इस लत को एकाग्रता का शत्रु और लेखन की सबसे बड़ी बाधा कहा। जब भी वे कोई लेख लिखना शुरू करती थीं मोबाइल पर आने वाले संवादों की ‘टिक-टिक’ से विचारों का तार टूट जाता और फ़िर संवाद को पढ़ने की उत्सुकता में ध्यान भंग होने से लेख अधूरा ही रह जाता। सोशल मीडिया की गुलामी से मुक्ति पाने के लिए जो स्मिथ ने ‘मोबाइल-मुक्ति-दिवस’ मनाना शुरू किया। ब्रिटिश कोलम्बिया विश्वविद्यालय में किए गए एक परीक्षण के अनुसार यदि भोजन करते समय फ़ोन पास में हो तो भोजन के स्वाद और साथ में भोजन करने वाले व्यक्ति से वार्तालाप करने पर ध्यान नहीं जाता, पास में पड़े फ़ोन पर आए संवादों को पढ़ने की बेचैनी भोजन और परस्पर वार्तालाप के रस का हरण कर लेती है।

© UCLES 2021

जगत-जाल की संरचना करते समय टिम ने इसके संभावित दुरुपयोग से होने वाली हानि की कल्पना नहीं की थी। उनकी परिकल्पना सूचना बाँटने के लिए एक सहयोगी साधन बनाने की थी। सन 2019 में जगत-जाल की तीसवीं वर्षगाँठ मनाई गई। इस अवसर पर टिम बर्नर्स-ली ने इसके अनैतिक और अवांछित दुरुपयोगों के प्रति आंतरिक ख़ेद व्यक्त करते हुए कहा, 'जगत-जाल की सबसे बड़ी शक्ति इसकी विश्वजनीनता है, यह गरीब-अमीर और सबल-निर्बल सभी के लिए सुलभ है, लेकिन मानवता की सेवा करने में यह आज अनेक तरह से असफ़ल है। तकनीक का दुरुपयोग बंद करने के लिए कानून बनाना आवश्यक है।'

© UCLES 2021

**अभ्यास 3: प्रश्न 16-19**

**'जगत-जाल और सोशल मीडिया' आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक (16 से 19) के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखें।**

**16** जगत-जाल की संकल्पना की ज़रूरत

- ..............................................................................................................................
- ........................................................................................................................ [2]

**17** सोशल मीडिया की परिभाषा और प्रसार

- ..............................................................................................................................
- ........................................................................................................................ [2]

**18** सोशल मीडिया की उपयोगिता

- ..............................................................................................................................
- ........................................................................................................................ [2]

**19** सोशल मीडिया से संभावित हानियाँ

- ..............................................................................................................................
- ..............................................................................................................................
- ........................................................................................................................ [3]

[पूर्णांक 9]

**अभ्यास 4 में आप आलेख और अपने नोट्स के आधार पर 'जगत-जाल और सोशल मीडिया' शीर्षक लेख का सारांश लिखेंगे।**

© UCLES 2021

**अभ्यास 4: प्रश्न 20**

अभ्यास 3 के आलेख 'जगत-जाल और सोशल मीडिया' में जगत-जाल के आविष्कार से होने वाली सुविधा और सोशल मीडिया के संभावित दुष्प्रभावों का वर्णन है। अभ्यास 3 के आलेख और अपने बनाए नोट्स के आधार पर उसका सारांश लिखें।

आपका सारांश **100 शब्दों** से अधिक नहीं होना चाहिए।

आप यथासम्भव **अपने शब्दों** में लिखें।

आपको **अंतर्वस्तु के लिए** अधिकतम 4 अंक और **सटीक और संक्षिप्त भाषा-शैली के लिए** अधिकतम 6 अंक दिए जाएंगे।

**जगत-जाल और सोशल मीडिया**

© UCLES 2021

[10]

[पूर्णांक 10]

© UCLES 2021

**अभ्यास 5: प्रश्न 21**

अपने स्थानीय अनाथाश्रम की सहायता करने के लिए आप एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे / रही हैं। एक स्थानीय व्यापारी को ई-मेल द्वारा आयोजन की सूचना देकर उसके लिए टिकट बिक्री करने में सहायता करने का आग्रह करें। आपके ई-मेल में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए:

- कार्यक्रम आयोजन का उद्देश्य और विवरण
- दिन और समय
- सहायता का आग्रह।

**आपका ई-मेल लगभग 120 शब्दों में होना चाहिए।** आपको पता लिखने की आवश्यकता **नहीं** है।

आपको **3** अंक अंतर्वस्तु के लिए और **5** अंक **सटीक** भाषा और शैली के लिए दिए जाएंगे।

[8]

[पूर्णांक 8]

© UCLES 2021

**अभ्यास 6: प्रश्न 22**

**'व्यक्ति का विकास एकल परिवार में ही संभव है, संयुक्त परिवार में व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन हो जाता है।'**

आप कहाँ तक इस मत से सहमत हैं? अपने विचारों को समझाते हुए स्कूल पत्रिका के लिए अपना लेख **लगभग 200** शब्दों में लिखिए। आपका लेख विषय की जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

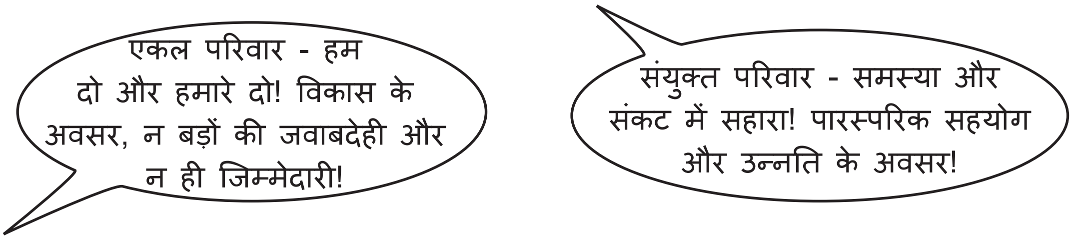


**ऊपर दी गई टिप्पणियाँ आपके लेखन के लिए दिशा प्रदान कर सकती हैं। इनके माध्यम से आप अपने विचारों को विस्तार दीजिए।**

**लिखित प्रस्तुति पर अंर्तवस्तु के लिए 8 अंक तक और सटीक भाषा के लिए भी 8 अंक तक दिए जाएँगे।**

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

........................................................................................................................................................

................................................................................................................................................ [16]

[पूर्णांक 16]

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which itself is a department of the University of Cambridge.